an>

Title: Issue regarding freedom of expression by media.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली) : आदरणीय अध्यक्षा जी, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण विषय आज सदन के समक्ष रख रही हूं। कुछ दिन पूर्व राज्य के एक मुख्य मंत्री जी ने ऐसा बयान दिया कि प्रैस का कोई भी व्यक्ति अगर उनके खिलाफ खबर छापता है तो उसके विरोध में एक परिपत्र जारी किया जाएगा और उस पर मानहानि के मुकदमे की मांग की जाएगी। उन्हीं व्यक्ति ने उसके एकदम पूर्व एक और बयान जारी किया कि जो भी उनकी नजरों में ईमानदार व्यक्ति होंगे और ईमानदार प्रैस के कार्यकर्ता होंगे, उन्हें उनकी सरकार प्रोत्साहित करेगी। ऐसा आज न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था बल्कि उसकी जितनी भी कार्यप्रणाली है, उसके अपमान के क्षेत्र में आता है क्योंकि इस प्रकार का कार्य कि अपनी तारीफ में जो लिखा जाए, उसे प्रोत्साहित करने के लिए करदाताओं के पैसों का इस्तेमाल किया जाए, क्या यह आज की लोकतांत्रिक व्यवस्था में मुमकिन है? क्या ऐसा कोई भी सरकार कर सकती है? मैं कहना चाहती हूं कि यह सत्य को कहीं न कहीं जनता से दूर रखने का एक प्रकरण है जिसकी भरसक निन्दा आज इस संसद के माध्यम से होनी चाहिए। विभिन्न मीडिया समूहों के कार्यक्षेत्र में धरातल की असमानता को भी सृजित करता है। प्रैस की स्वतंत्रता लोकतंत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण स्तम्भ है तथा सरकार द्वारा जनता के पैसे से इस प्रकार का पक्षपात करना उसे कमजोर करता है यानी लोकतांत्रिक व्यवस्था को ही कमजोर करता है। यह राष्ट्र के लिए चिन्ता का विषय है क्योंकि यह हम सबको 70 के दशक की याद दिलाता है। उस दशक में आपातकाल के दौरान प्रैस का किस तरह दुरुपयोग हुआ, यह देश अच्छी तरह जानता है और दृढ़ता से उसका विरोध करता है। साथ ही पुन: ऐसा दोहराया न जाए, इसकी पूरी तैयारी है। अत: मैं इस सदन के माध्यम से अनुरोध करती हूं कि न केवल इसकी निन्दा व भर्त्सना करना आवश्यक है अपितु इसे हतोत्साहित करने की भी आवश्यकता है। Not only shunned but it has to be discouraged by this House.

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री अजय मिश्रा टेनी,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

डा. उदित राज,

श्री जगदम्बिका पाल,

श्रीमती अंजू बाला,

श्री दहन मिश्रा,

श्री प्रहलाद सिंह पटेल,

डा. वीरेन्द्र कुमार,

श्री पी.पी. चौधरी,

डा. मनोज राजोरिया और

श्रीमती रेखा वर्मा को श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : अध्यक्ष महोदया, मीनाक्षी लेखी जी ने जो विषय उठाया है, ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या आप वही विषय उठा रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा : मैं पहले अपने को उनके विषय से एसोसिएट करता हूं और वादा भी करता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा : वाहा इस बात का है कि ऐसी ही बहुत शर्मनाक और निन्दनीय घटना पंजाब के लुधियाना में हुई। वहां एक महिला पत्रकार की पिटाई की गई। उसे कांग्रेस के एक विधायक ने मारा। मुझे इस बात का दुख है कि वहां यूथ कांग्रेस के बहुत सारे वर्कर्स खड़े थे। उन्होंने तताड़ा।...(व्यवधान) मां दिवस पर एक मां को केवल इसलिए इतना पीटा गया कि वह उनके मर्जी की खबरें नहीं देती थी।...(व्यवधान) उसका अपमान किया गया। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि हाउस इसकी निन्दा करे और ऐसे लोगों को सबक सिखाए जो इमरजैंसी की याद दिला रहे हैं। वे प्रैस का गला घोंटना चाहते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।